(c) and (d) Do not arise.

Development of Fishing Harbours

1807. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government propose to develop fishing industry in the coastal area of Gujarat;

(b) whether it is also a fact that Government propose to establish deep harbour in Okha, Bhavnagar, Porbander and at Kandla for anchoring the traditional boats;

(c) whether Government have a plan to provide duty free diesel to fishermen from the month of April, 1993; and

(d) what steps Government have taken for solving the problem of coastal dredging ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) : (a) Yes, Sir.

(b) The Government propose to establish a deep-sea fishing harbour at Okha which will accommodate traditional fishing boats also. At present there is no proposal for establishment of deep see fishing harbour at Bhavnagar, Porbander and Kandla. Porbander is already developed as fishery harbour.

(c) Under a Centrally Sponsored Scheme, Central Excise Duty on HSD Oil used by small mechanised boats below 20 m length is reimbursed from 1990-91.

(d) Government have carried out recently a study on the dredging requirements for minor fishing harbours and the report is under examination.

Famine in Giridih District of Bihar

1808. SHRI GAYA SINGH :

SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that the people of the Maniadih and Mednisore villages of Giridih district in Bihar are facing grim famine situation and people are dying of starvation; and

(b) if so, the details thereof and what relief measures are being taken to save the lives of the people of these villages ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) : (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

कृषि क्षेत्र में महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाना

1809. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात में कृषि क्षेत्र में महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और

(ग) गत दो वर्षों के दौरान जिलावार, कितनी महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है और इस संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली राम चन्द्रन) : (क) जी हां। गुजरात में कृषि क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को नीदरलैण्ड सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

(ख) इसका विवरण नीचे दिया गया है :

परियोजना का नाम :

गुजरात में कृषि क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को प्रशिक्षण।

सहायक एजेन्सी :

नीदरलैण्ड सरकार।

अवधि : 5 वर्ष।

(30-5-1989 से 30-5-1994)

विस्तार :

परियोजना निम्नलिखित छः जिलों में कार्यान्वित की जा रही है।

1. भावनगर
2. पंचमहल
3. सूरत
4. बनासकांठा
5. जूनागढ़
6. कच्छ

(कच्छ जिले में यह कार्यक्रम अक्तूबर 1992 से प्रारम्भ किया गया)।

परियोजना की कुल लागत

3396000 डी० जी०

जुलाई, 1992 को 5.73 करोड़ के समतुल्य

प्रशिक्षण घटक

कृषक प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा दिए जा रहे इस प्रशिक्षण के निम्नलिखित घटक हैं :

(1) **संस्थागत प्रशिक्षण**

प्रत्येक कृषक प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा 6 दिवसीय अवधि के संस्थागत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

(2) **व्यावसायिक प्रशिक्षण**

युवतियों के लिए कृषि एवं अन्य क्षेत्रों से सम्बन्धित विशिष्ट विषयों पर 10 दिवसीय अवधि के व्यावसायिक पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, एक दिवसीय अनुवर्ती प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर कृषक महिलाओं को राज्य में तथा राज्य के बाहर स्थित कृषि फार्मों/अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि संस्थानों में अध्ययन यात्रा पर ले जाया जाता है।

जून, 1992 तक प्राप्त वास्तविक लक्ष्य :

6283 कृषक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

लक्ष्य :

(ग) विवरण संलग्न है।

विवरण

प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या संबंधी प्रगति/उपलब्धि

क्रम सं०	जिला	कृषक प्रशिक्षण केन्द्र का स्थान	1989–90 (1-2-90-31-3-90)		1990–91		1991–92		1992–93 (1-4-92-30-6-92)	
			लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
1.	पंचमहल	दोहद	75	104	665	523	665	576	665	165
2.	सूरत	व्यारा	75	75	665	650	665	606	665	116
3.	बनासकांठा	दीसा	—	—	515	385	665	671	665	66
4.	भावनगर	भावनगर	—	—	515	353	665	637	665	201
5.	जूनागढ़	जूनागढ़	—	—	515	413	665	596	665	136
6.	कच्छ	भुज	—	—	—	—	—	—	—	—

नोट : (1) दो जिलों, नामत: पंचमहल तथा सूरत में यह परियोजना 1-2-90 से शुरू हुई। अतएव : वर्ष 1989–90 के लिए उक्त दो जिलों की केवल दो माह की प्रगति ऊपर दर्शाई गई है।

(2) अन्य तीन जिलों नामत: बनासकांठा, भावनगर और जूनागढ़ में परियोजना का कार्य मई, 1990 से शुरू हुआ। अत: उपलब्धि सितम्बर, 1990 को समाप्त तिमाही के बाद से है।

(3) छठे जिले कच्छ में परियोजना अक्तूबर, 1992 में शुरू हुई। अत: उपलब्धि के कोई आंकड़े नहीं दिए गए हैं।